आरती बाबा बालक नाथ जी

सोने की थाली में, गंगा जल गड़वा,
चंदन की चौकी पे, बिठाए सिद्ध जोगी।
धूप दीप तेरी, ज्योत जला के,
आरती तेरी हम, गाएं सिद्ध जोगी॥

धूणे वाले साईं तेरी आरती।
चिमटे वाले जोगी तेरी आरती।
तलाईआं वाले बाबा तेरी आरती।
दुधाधारी जोगी तेरी आरती।

अमर कथा को सुन के, 'हुई अमर काया'। (जोगी)
सतयुग द्वापर त्रेता, 'कलयुग में माया'। (तेरी)
पा के दर्शन दर से। मानस देह थी तारी,,,
धूणे वाले साईं तेरी आरती।
चिमटे वाले जोगी तेरी आरती।

पिता तुम्हारे है विष्णु, 'लक्ष्मी जी माता'। (तेरी)
बाल अवस्था में तोड़ा, 'मात पिता से नाता'। (जोगी)
ज़ूनागढ़ गुजरात में। आए अवतारी,,,
चिमटे वाले जोगी तेरी आरती।
तलाईआं वाले बाबा तेरी आरती।

धूणा अखण्ड था शिव का, 'तुन्हे ही तपाया'। (जोगी)
दूर से शिव ही लगे, 'जिस भी दरस पाया'।
सिद्ध दियोट गुफ़ा तेरी। लीला है न्यारी,,,
तलाईआं वाले बाबा तेरी आरती।
दुधाधारी जोगी तेरी आरती।

सर पे वाल सुनहरी, 'सूरत अति प्यारी'। (भोली)
कच्छ झोली हथ चिमटा, 'मोर की है सवारी'। (तेरी)
पाँव खड़ाएं गले सिंगी। नाथ कलाधारी,,,
धूणे वाले साईं तेरी आरती।
चिमटे वाले जोगी तेरी आरती।

संत भगत करे सेवा, 'देव भी बलिहारी'। (जोगी)
तुमरी महिमा गाएं, 'यह सृष्टि सारी'।
सर्व कला सम्पूर्ण। बालक ब्रह्मचारी,,,
चिमटे वाले जोगी तेरी आरती।
तलाईआं वाले बाबा तेरी आरती।

श्रद्धा भक्ति पूर्ण, 'तभी हमरी होगी'। (जोगी)
आओ भोग लगाओ, 'रोट दूध का जोगी'।

हाथ जोड़ चरणों में । खड़े तेरे पुज़ारी,,,
धूणे वाले साईं तेरी आरती ।
चिमटे वाले जोगी तेरी आरती ।

सिद्ध जोगी की आरती, 'नेम से जो गए' । (जोगी)
बाबा पौणाहारी से, 'मन वांछित फल पाए' ।
चरण कमल तेरे कोमल । दास है बलिहारी,,,
धूणे वाले साईं तेरी आरती ।
चिमटे वाले जोगी तेरी आरती ।
तलाईआं वाले बाबा तेरी आरती ।
दुधाधारी जोगी तेरी आरती ।
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20415/title/aarti-baba-balak-nath-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |